

लाखों के भाग जगे | By Surbhi Chaturvedi

लाखों के भाग जगे बाबा के इशारे से
खाली ना गया कोई मेरे श्याम के द्वारे से

तहरीर बदल देता, तस्वीर बदल देता
पल में बदकिस्मत की तकदीर बदल देता
दौड़ा चला आता है एक बार पुकारे से
खाली ना गया कोई मेरे श्याम के द्वारे से

जिसके मन मंदिर में तेरी ज्योत निराली है
हर दिन है वहां होली हर रात दिवाली है
जो माँगना है माँगो हारे के सहारे से
खाली ना गया कोई मेरे श्याम के द्वारे से

बिक जाता मोल बिना ये भाव तराने में
लहराए बसंत छटा पतझड़ वीराने में
बन जाते रंक राजा एक बार निहारे से
खाली ना गया कोई मेरे श्याम के द्वारे से

करुणा का सागर है, कहती दुनिया सारी
पल में भण्डार भरे कलयुग का अवतारी
वृजवासी किशन जीवन मेरा श्याम सहारे से
खाली ना गया कोई मेरे श्याम के द्वारे से

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%96%e0%a5%8b%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%97-%e0%a4%9c%e0%a4%97%e0%a5%87-by-surbhi-chaturvedi/>